हिन्दुस्तान 27 दिसम्बर 2014

बिना सल्फर की चीनी बनाने को मिलाया हाथ

एनएसआई

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

कर्नाटक सरकार ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में चल रही सल्फरविहीन चीनी के उत्पादन की नई तकनीक के विकास और शीरे के अतिरिक्त अन्य पदार्थों से एथेनॉल के उत्पादन में रूचि दिखाई है। शुक्रवार को कर्नाटक सरकार के सचिव (वाणिज्य एवं उद्योग) तुषार गिरीनाथ और एस निजलिंगप्पा शुगर इन्स्टीट्यू बेलवागी के निदेशक डॉ. आरबी खाण्डगावे ने संस्थान का दौरा किया। इसके बाद कर्नाटक के चीनी एवं एथेनॉल उद्योग के विकास के लिए कर्नाटक सरकार के साथ एनएसआई ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

कर्नाटक सरकार के सचिव (वाणिज्य एवं उद्योग) श्री गिरीनाथ ने संस्थान का निरीक्षण कर यहां हो रहे शोध कार्यों को देखा और समझा। हाल में मिलीं कई उपलब्धियों के बारे में निदेशक एनएसआई नरेन्द्र मोहन से जानकारी ली। शिक्षण, अनुसंधान और परामर्श कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाएं देखने के बाद चीनी के उत्पादन बढ़ाने में हाल ही में हुए शोध कार्यों की भी जानकारी ली। कैंपस में बनी चीनी मिल के अतिरिक्त शर्करा मानक ब्योरा भी देखा।

एनएसआई का निरीक्षण करते तुषार गिरीनाथ और डॉ. आरबी खाण्डगावे व अन्य।

यह चीनी है खास :

सचिव ने निदेशक, एनएसआई से सल्फरविहीन चीनी तैयार करने में उपयोग में लाई जा रही तकनीकी और इसमें आगे की शोध संभावनाओं के बारे में जाना। यह भी जानने का प्रयास किया कि अन्य उत्पादों जैसे कसावा से एथेनॉल उत्पादन कैसे किया जाता है। निदेशक, नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने इण्टरनेशनल पोटाश इन्स्टीट्यूट स्विटजरलैण्ड के साथ किए जा रहे कार्य एवं एथेनॉल बनाने के लिए चुकन्दर के उत्पादन के बारे में भी जानकारी ली।

इन बिन्दुओं पर हुआ समझौता

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर (एनएसआई) और एस निजलिंगप्पा का शुगर इन्स्टीट्यूट बेलगावी, कर्नाटक में विभिन्न विषयों जैसे रस निकालने की नई तकनीकी, ऊर्जा संरक्षण एवं अल्कोहल उत्पादकता बढ़ाने एवं नए फीड स्टॉक का प्रयोग पर वर्कशॉप करेंगे।
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कर्नाटक की चीनी में काम करने वाले कर्मचारियों के स्किल डेवलपमेंट के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करेंगे।
- 'कसावा' से एथेनॉल बनाने में दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय सहारा 27 दिसम्बर 2014

कर्नाटक में चीनी उद्योग के विकास में सहयोग करेगा एनएसआई

कानपुर (एसएनबी)। महानगर स्थित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कर्नाटक में चीनी व सम्बद्ध उद्योग के विस्तार के लिए तकनीकी सलाह व सहयोग देने के साथ ही कार्मिकों को प्रशिक्षित करने का कार्य करेगा।

शुक्रवार को इस संदर्भ में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने कर्नाटक सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग सचिव तुषार गिरीनाथ व निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक आरबी खांडगनी के साथ एक समझौता किया। समझौता अनुबंध ज्ञापन (एमओयू) पर नरेन्द्र मोहन व कर्नाटक से आये दोनों अधिकारियों ने अलग-अलग हस्ताक्षर किये। समझौते के अनुसार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) कर्नाटक के चीनी उद्योग से सम्बद्ध कार्मिकों को अत्याधुनिक चीनी व अन्य सहयोगी उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रशिक्षित करने को कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। साथ ही कर्नाटक में सल्फर रहित चीनी निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया जायेगा। एनएसआई नयी तकनीक से रस निकालने, अल्कोहल उत्पाद को बढ़ावा देने व कसावा से एथेनॉल उत्पादन के संदर्भ में भी कर्नाटक चीनी उद्योग से सम्बद्ध कार्मिकों को प्रशिक्षित करेगा। एमओयू पर हस्ताक्षर करने से पूर्व कर्नाटक से आये दोनों अधिकारियों ने संस्थान में चल रही शैक्षणिक व अन्य तकनीकी गतिविधियों की जानकारी ली। बाद में संस्थान का सहयोग प्राप्त करने के लिए समझौता हुआ।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का निरीक्षण करते कर्नाटक वाणिज्य एवं उद्योग सचिव तुषार गिरीनाथ व साथ में निदेशक नरेन्द्र मोहन। *फोटो : एसएनबी*

■ राष्ट्रीय शर्करा संस्थान व कर्नाटक सरकार के बीच हुआ समझौता

HINDUSTAN TIMES 27 December 2014

Kanpur's NSI to help Karnataka better sugar technologies

HT Correspondent
htcitykanpur@hindustantimes.com

KANPUR: The National Sugar Institute (NSI) is set to assist Karnataka-based Sugar Institute of Belagavi in the field of research and development of new sugar technologies.

Director of S Nijlingappa Sugar Institute (SNSI) of Karnataka Dr RBKhandgave on Friday signed a four-point memorandum of understanding (MoU) with the National Sugar Institute (NSI). NSI director Dr Narendra Mohan signed the MoU.

Under the MoU, it was decided that NSI and SNSI would jointly work on developing the techniques of producing Ethanol from Cassava to meet the growing demand of the fuel in and outside the country.

The NSI would also assist SNSI in setting up of its high tech laboratories and the research units for developing technologies to enhance sugar production in Karnataka.

The NSI would also design training programmes for 'in-service' personals of the sugar factories and distilleries of Karnataka for their skill developments.

Besides, the seminars with regard to 'modern techniques of juice extraction', 'alternate feed stocks of ethanol production' and 'energy conservation' would be organised to benefit the sugar and allied industries in Karnataka.

Director NSI Narendra Mohan taking to media on Friday. HT

Talking to media, secretary commerce and industries of the government of Karnataka Tushar Girinath said the sugar industries of Karnataka were in dire need of technical staff and offered jobs to the NSI students.

He said that he has asked the NSI director Narendra Mohan to start the Kannada classes at the institute so that students coming to Karnataka may not have problem in interacting with workers there.

He said that the Karnataka government would provide all assistance in running the Kannada classes at the NSI.

He said a prestigious sugar institute would be set up with the technical assistance of NSI as the Karnataka was the biggest sugar production centre in the South and it needed more expertise to enhance its capacities.